प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

फसल पद्धतियों से सुरक्षित एवं टिकाउ खेती पर प्रशिक्षण प्रारम्भ

पंतनगर। 4 फरवरी 2020। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के डा. के. सी. शर्मा सभागार में आज सस्य विज्ञान विभाग द्वारा उच्च संकाय प्रशिक्षण केन्द्र में आयोजित किये गये २१-दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारम्भ हुआ। इस प्रशिक्षण का विषय 'फसलों और फसल प्रणालियों की कारक उत्पादकता बढ़ाने के लिए सुरक्षित और स्थायी कृषि' था।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए अधिष्ठाता कृषि डा. जे. कुमार ने बताया कि भारत में ६० प्रतिशत वर्षा-आधारित खेती मानसून, प्राकृतिक संसाधनों के संकुचन व गिरावट से प्रभावित है। उन्होंने यह भी बताया कि अधिकांश फसलों में पैदावार में कमी के मुख्य कारण बहुपोषक तत्वों की कमी, खराब उत्पादकता व जलवायु परिवर्तन हैं। डा. कुमार ने कहा कि कृषि विकास आने वाले समय में विभिन्न चुनौतियों, जैसे घटती हुई कृषि योग्य भूमि, जल संसाधनों की कमी, जलवायु परिर्वतन, कृषि श्रमिकों की कमी, बढ़ती हुई लागत एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती हुई प्रतिस्पर्धा से और भी प्रभावित होगा। अतः अब कृषि में शोध स्थान विशेष को ध्यान में रखते हुये किया जाना आवश्यक है। डा. जे. कुमार ने कहा कि नई तकनीकों में कोई खामी नहीं है, परन्तु इनके उपयोग करने के तरीके में कुछ समस्याएं हैं, अतः परम्परागत तकनीकों के साथ-साथ नवीन खोजों का उचित समावेश जरुरी है।

प्रशिक्षण निदेशक एवं सस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. के. एस. शेखर ने इस अवसर पर कहा कि सस्य विज्ञान विभाग विश्वविद्यालय का प्रथम विभाग है। यह विभाग विभिन्न शोध पत्रों के साथ-साथ विभिन्न तकनीकों का विकास कर चुका है। डा. शेखर ने वर्तमान समय में अपनाई जाने वाली कृषि प्रणालियों में नवीन तकनीकों के समावेश एवं सस्य विज्ञान द्वारा खाद्य पोषण व किसानों की आय वृद्धि में मदद करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि वास्तव में समुचित सस्य विज्ञान प्रथाओं को कृषि प्रबंधन के रूप में समान रूप से प्रयोग किया जा सकता है। उन्होंने बीज, उर्वरक सिंचाई जैसे, कृषि आदानों का विवेकपूर्ण उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। सस्य विज्ञान की प्राध्यापिका डा. सुनीता टी. पाण्डे ने सभी गणमान्य वैज्ञानिकों के साथ आगन्तुक प्रशिक्षार्थियों का स्वागत करते हुए उक्त प्रशिक्षण के विषय में विस्तृत जानकारी दी। समारोह के अन्त में सह प्राध्यापिका डा. ओमवती वर्मा ने सभी उपस्थित अतिथियों, आगन्तुकों एवं विद्यार्थियों का धन्यवाद किया।

प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में प्रतिभागियों को संबोधित करते अधिष्ठाता कृषि डा. जे. कुमार।